भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1831
(जिसका उत्तर मंगलवार, 02 अगस्त, 2022/11 श्रावण, 1944 (शक) को दिया जाना है)

जाली मुद्रा नोटों की वृद्धि

1831. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या यह सच है कि आरबीआई के अनुसार 500 और 2000 रुपये मूल्य वर्ग के कूटकृत करेंसी नोटों में बहुत वृद्धि देखी गई है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान पकड़ी गई जाली मुद्रा की मात्रा का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या यह सच है कि वर्ष 2016 में विमुद्रीकरण का प्रयोग अन्य कारणों के साथ-साथ तंत्र से जाली मुद्रा को हटाने के लिए किया गया था;
(ङ) यदि हाँ, तो इसके विफल होने के क्या कारण हैं; और
(च) वर्ष 2016 से 500/2000 रुपये के जाली नोटों में कितने प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, पिछले पांच वर्षों (वित्त वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 2021-22) के दौरान बैंकिंग प्रणाली में पाए गए ₹500 और ₹2000 मूल्यवर्ग के नकली नोटों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

मूल्यवर्ग (₹)	**मुद्रा नोटों की संख्या (अप्रैल-मार्च)**				
	2017-18	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
500 (एमजी श्रृंखला)	1,27,918	971	11	9	14
500 [एमजी (नई) श्रृंखला]	9,892	21,865	30,054	39,453	79,669
2000	17,929	21,847	17,020	8,798	13,604

(ग): पिछले पांच वर्षों के लिए आरबीआई के अनुसार बैंकिंग प्रणाली में पाए गए नकली नोटों के बारे में डेटा निम्नानुसार है:

मुद्रा नोटों की संख्या (अप्रैल-मार्च)				
2017-18	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
5,22,783	3,17,384	2,96,695	2,08,625	2,30,971

(घ) और (ङ): भारत सरकार ने 8 नवंबर 2016 को ₹1000 और ₹500 मूल्यवर्ग के मुद्रा नोटों की वैध मुद्रा स्थिति को -- काले धन को खत्म करने, नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) के प्रसार और संचलन को रोकने और इस तरह आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद के वित्तपोषण पर रोक लगाने के लिए, भारत की गैर-औपचारिक अर्थव्यवस्था को औपचारिक अर्थव्यवस्था में बदलने की सुविधा प्रदान करने और भारत को कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए भुगतान के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने जैसे कई उद्देश्यों के साथ रद्द करने का निर्णय लिया।

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 2016-17 के दौरान बैंकिंग प्रणाली में 7,62,072 जाली नोटों, 2017-18 में 5,22,783 नोट, 2018-19 में 3,17,384 नोट, 2019-20 में 2,96,695 नोट, 2020-21 में 2,08,625 और 2021-22 में 2,30,971 नोटों का पता चला है। इसलिए उक्त डेटा नकली मुद्रा का पता लगाने में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं दर्शाता है।

(च): बैंकिंग प्रणाली में पाए गए ₹500 और ₹2000 मूल्यवर्ग के नकली मुद्रा नोटों की वार्षिक प्रतिशत वृद्धि के संबंध में आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

मूल्यवर्ग	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
500 (एमजी श्रृंखला)	3,17,567	1,27,918	971	11	9	14
प्रतिशत वृद्धि (%)	-	(-60)	(-99)	(-99)	(-18)	56
500 [एमजी (नई) श्रृंखला]	199	9,892	21,865	30,054	39,453	79,669
प्रतिशत वृद्धि (%)	-	4871	121	37	31	102
2000	638	17,929	21,847	17,020	8,798	13,604
प्रतिशत वृद्धि (%)	-	2710	22	(-22)	(-48)	55

(कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट दर्शाते हैं)

*****